संक्षिप्त समाचार

चैत्र पूर्णिमा पर रामनगरी में सरयू स्नान के लिए उमड़े भक्त, हनुमान गढ़ी में लगी लंबी कतारें

अयोध्या , एजेंसी। चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा है। बड़ी संख्या में भक्तों ने पावन सलिला सरयू में डुबकी लगाई और पूजा-अर्चना की। रामलला, कनक भवन सहित हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लग रही है।

प्रशासन की ओर से सरयू तट से लेकर मठ-मंदिरों तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले पावन सलिला सरयू में डुबकी लगाई इसके बाद सरयू जल लेकर नागेश्वरनाथ मंदिर की ओर निकल पड़े। नागेश्वरनाथ मंदिर में अभिषेक-पूजन के लिए भक्तों की लंबी लाइन लगी रही। यहां से भक्तों का रेला हनुमानगढ़ी पहुंचा।

हनुमान जयंती होने के कारण हनुमान जी को श्रद्धा अर्पित करने को लेकर भक्तों में होड़ रही। बड़ी संख्या में भक्तों ने हनुमंत लला के दरबार में हाजिरी लगाकर पूजा-अर्चना की। कुछ इसी तरह का दृश्य रामलला के दरबार में भी है। बड़ी संख्या में भक्तों ने रामलला की पूजा-अर्चना की। शाम को पूर्णिमा पर्व पर सरयू आरती का भी आयोजन होगा।

सामाजिक न्याय को निरंतर धार दे रही कांग्रेस, स्थानीय नेताओं को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

लखनऊ , एजेंसी। कांग्रेस सामाजिक न्याय के मुद्दे को निरंतर धार देगी। इसके लिए दिल्ली स्थित वार रूम से निरंतर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को संदेश दिया जा रहा है, जिससे वे इन मुद्दों को जनता के बीच पहुंचा सकें। वहीं, इसे सोशल मीडिया पर भी प्रसारित किया जा रहा है।

कांग्रेस ने संविधान बचाने, जातीय जनगणना कराने व न्याय का गारंटी के तहत विभिन्न मुद्दों को उठा रही है। राहुल गांधी ने अपनी न्याय यात्रा के दौरान सामाजिक न्याय यात्रा पर विशेष फोकस किया था। यही वजह है कि अब पार्टी ने जातीय जनगणना के साथ ही सामाजिक न्याय को धार देना शुरू कर दिया है। इसके लिए दिल्ली के वार रूम से स्थानीय नेताओं को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। उन्हें सामाजिक न्याय के मुद्दों के बारे में विस्तृत जानकारी देने के साथ ही उन्हें विमर्श के दौरान पेश किए जाने वाले तथ्यों से भी बताया गया।

पार्टी इसे सोशल मीडिया पर भी प्रसारित करेगी। इस बीच किसी भी स्थान पर सामाजिक दृष्टिकोण से जुड़ीं घटनाएं अथवा सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाली घटना होगी तो वहां पार्टी का प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा। मौके पर सभी पक्षों की बात सुनकर सामाजिक सद्भाव का संदेश देगा।

दूल्हे को एक पैर से डगमगाते हुए चलता देख दुल्हन बोली- मुझे नहीं करनी शादी

कानपुर , एजेंसी। महोबा जिले में कस्बा कबरई के एक गेस्ट हाउस में शादी समारोह में फेरों के दौरान दुल्हन ने दिव्यांग दूल्हा देख शादी से इनकार कर दिया। कई दौर में पंचायत हुई लेकिन देर शाम तक कोई नतीजा नहीं निकल सका। थाने में हुए समझौते में तय हुआ कि कार्यक्रम में आए खर्च को वर पक्ष अदा करेगा। वहीं, वधू पक्ष चढ़ाव में दिए गए सोने-चांदी के आभूषण लौटाएगा। इसके बाद देर शाम दूल्हा बिन दुल्हन बरात लेकर लौट गया।

जाम की समस्या के समाधान का एक्शन प्लान: काशी में 20 चौराहों पर तैनात होंगे पुलिस के 2 दरोगा और 4 सिपाही

वाराणसी , एजेंसी। शहर में भीषण जाम की समस्या के समाधान के लिए पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने नया एक्शन प्लान तैयार किया है। पुलिस आयुक्त ने जाम वाले 20 प्वाइंट को चिह्नित कर वहां ट्रैफिक पुलिस के अलावा सिविल पुलिस के दो दरोगा और चार सिपाही को रोजाना दो शिफ्ट में तैनात करने का निर्देश दिया है। 1

पुलिस आयुक्त ने सोमवार को बताया कि चिह्नित 20 प्वाइंट पर अलग से तैनात किए जाने वाले पुलिसकर्मी सुगम यातायात में ट्रैफिक पुलिस की मदद करेंगे। संबंधित क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त और थानाध्यक्ष दिन में दो बार चिह्नित स्थान का भ्रमण कर वहां तैनात पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग करेंगे। चिह्नित स्थान से 200 मीटर तक नो व्हीकल जोन और नो पार्किंग के साथ ही यह सुनिश्चित कराया जाएगा कि वहां अतिक्रमण न हो।

उन्होंने बताया कि चिह्नित स्थानों पर 20-20 स्थानीय दुकानदारों / निवासियों की ट्रैफिक एडवाइजरी कमेटी का गठन किया जाएगा। कमेटी के सदस्य जाम लगने पर तत्काल संबंधित थानाध्यक्ष और यातायात हेल्प लाइन नंबर 7317202020 पर फोटो के साथ सूचना देंगे।

चिह्नित स्थलों के सीसी फुटेज की थानों पर लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। संबंधित जोन के पुलिस उपायुक्त / अपर पुलिस उपायुक्त समय-समय पर चिह्नित चौराहों का भ्रमण कर एक्शन प्लान का अनुपालन सुनिश्चित कराएंगे।

इन 20 स्थानों पर तैनात होंगे अतिरिक्त पुलिसकर्मी

ककरमत्ता पुल, भिखारीपुर तिराहा, सुंदरपुर चौराहा, बीएचयू गेट, नगवा चौराहा/बीएचयू ट्रॉमा सेंटर चौराहा, सामने घाट पुल, टेंगरा मोड़, रामनगर चौराहा, सूजाबाद/पड़ाव चौराहा, राजघाट से नमो घाट तक, रेलवे क्रॉसिंग आदमपुर, भदऊं चुंगी रेलवे डॉट पुल, गोदौलिया चौराहा, रामापुरा चौराहा, बेनियाबाग तिराहा, गुरुचाग तिराहा, रथयात्रा चौराहा, मैदागिन चौराहा, नीमामाई तिराहा, कचहरी चौराहा।

यातायात पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा ओआरएस

गर्मी को देखते हुए डीसीपी ट्रैफिक हृदेश कुमार ने जिले के सभी पुलिसकर्मियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। साथ ही पुलिसकर्मियों को गर्मी में बचाने के लिए छाता, चश्मा और ओआरएस का घोल वितरित किया जाएगा। ताकि चौराहों पर उन्हें परेशानी न हो। यातायात निरीक्षक पंकज कुमार तिवारी ने बताया कि शहर में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को 150 चश्मा, 150 छाता और ओआरएस घोल वितरित किए जाएंगे। अभी तक 125 चश्मे वितरित किए जा चुके हैं।

लू की चपेट में यूपी का अधिकांश हिस्सा, जारी हुआ येलो अलर्ट

लखनऊ , एजेंसी। मौसम में पूरी तरह से गर्मी आ चुकी है। अप्रैल के महीने में मई और जून जैसे हालात हैं। मौसम विभाग का कहना है कि बीते दो दिन से पारे में मामूली सी गिरावट हो रही है, लेकिन ये अस्थायी है, क्योंकी सामान्य तापमान में लगातार बढ़ोतरी जारी है। मंगलवार को भी पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू चल सकती है, जबकि बुधवार से पूरे प्रदेश में तापमान में कम से कम दो डिग्री की बढ़ोत्तरी होने के आसार हैं। बुधवार को कई इलाकों में लू चलने की चेतावनी भी जारी की गई है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, दिन के तापमान में दो डिग्री से अधिक की वृद्धि हुई है। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री तक अधिक दर्ज हुआ है। सुल्तानपुर, अयोध्या, फुरसतगंज, बाराबंकी, हरदोई, कानपुर, वाराणसी, बस्ती, झांसी, उरई,हमीरपुर में पारा 40 या इससे अधिक रहा। वहीं रात का पारा 20 डिग्री से 29 डिग्री के बीच रहा। सर्वाधिक गरम रात बुलंदशहर में रही।

लू को लेकर येलो अलर्ट- प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदासनगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, अंबेडकरनगर, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, बलरामपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर, उन्नाव, रायबरेली, कानपुर और आसपास।

एक क्लिक पर दिखेंगी 5 लाख किताबें, वाराणसी में 24 हजार पुस्तकें हुई ऑनलाइन

वाराणसी, एजेंसी। अब पुस्तकालयों के रैक और अलमारी में किताबें ढूंढने में घंटों समय जाया करने की जरूरत नहीं। बस एक क्लिक पर आपकी मनपसंद किताब आपके सामने होगी। यह सब कुछ ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर किताबों का ब्योरा ऑनलाइन होने से संभव होगा। ज्यादा से ज्यादा पाठकों तक पुस्तकों की पहुंच सुलभ कराने के मकसद से प्रदेशभर के पुस्तकालयों की किताबों को ऑनलाइन किया जा रहा है।

पुस्तकालयों को एनआईसी से विकसित ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर अपलोड करने के काम को तेजी से अंतिम रूप दिया जा रहा है। पहले चरण में प्रदेशभर के सरकारी पुस्तकालयों की पांच लाख पुस्तकों को ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर पर ऑनलाइन कर एक साथ लॉन्च करने की तैयारी है। चुनाव संपन्न होने के बाद इसकी लॉन्चिंग की जाएगी। वाराणसी जिला पुस्तकालय की 24 हजार पुस्तकों को ऑनलाइन कर दिया गया है।

एक साथ ऑनलाइन करेगी सरकार- प्रदेशभर के सरकारी पुस्तकालयों की किताबों का विवरण सॉफ्टवेयर पर अपलोड होने के बाद सरकार उसे एक साथ लॉन्च करेगी।

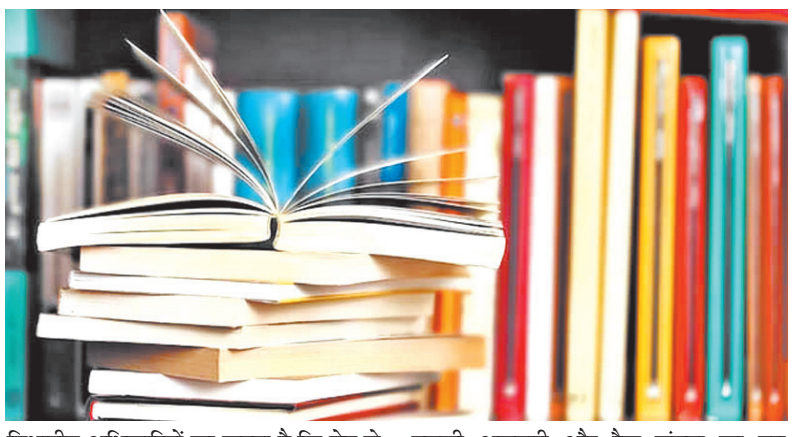

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि डेढ़ से दो महीने में प्रदेशभर के पुस्तकालयों की पुस्तकों के सॉफ्टवेयर पर अपलोड हो जाने की उम्मीद है। जून-जुलाई तक ई-सॉफ्टवेयर पर अपलोड किताबों को पाठकों के लिए ऑनलाइन कर दिया जाएगा।

सॉफ्टवेयर पर पुस्तकों का नाम, लेखक, अलमारी संख्या, रैक संख्या और क्रम का विवरण अपलोड किया जा रहा है। पाठक को सिर्फ किताब का नाम डालते ही लाइब्रेरी में उसकी अलमारी और रैक संख्या का पूरा विवरण स्क्रीन पर आ जाएगा। इससे किताब ढूंढने में समय जाया नहीं करना पड़ेगा। जिला पुस्तकालय की कुल 34 हजार पुस्तकों में से 10 हजार पुस्तकें ग्रामीण पुस्तकालयों को आवंटित कर दी गई हैं। यहां 2500 से अधिक छात्र-छात्राओं की सदस्यता है। इसी तरह अन्य जिलों के पुस्तकालयों में उपलब्ध किताबों का विवरण भी सॉफ्टवेयर पर अपलोड किया जा रहा है।

सीएम योगी बोले, दादी से लेकर पोते तक गरीबी हटाओ का नारा देकर जनता की आंख में धूल झोंक रहे कांग्रेसी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी व इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस ने 1977 में गरीबी हटाओ का नारा दिया था लेकिन जनता को शौचालय और आवास तक मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाईं। दादी से लेकर पोते तक अब फिर से वही नारा देकर जनता की आंख में धूल झोंका जा रहा है। इस बार जनता को उनके बहकावे में नहीं आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 साल तक राज किया लेकिन देश के 50 करोड़ लोगों के पास बैंक अकाउंट तक नहीं थे। करोड़ों लोगों को इलाज के लिए सुविधाएं नहीं मिल पाती थीं। अगर करोड़ों गरीबों को मुश्किल जिंदगी गुजारनी पड़ी है तो इसके लिए कांग्रेस जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि 2014 के बाद देश में पालिटिक्स आफ परफार्मेंस की शुरुआत हुई। गरीबों को बिना किसी

भेदभाव के राशन और सुविधाएं मिलनी शुरू हुईं। गरीब जनता को गैस सिलेंडर के कनेक्शन दिए गए। बिजली के कनेक्शन दिए गए और देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया गया। ये सब डबल इंजन की सरकार में संभव हो पाया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 में जब यूपी में भाजपा की सरकार बनी तो पाया गया कि प्रदेश में 30 लाख से ज्यादा फेक राशन कार्ड थे। इसकी जांच अभी भी चल रही है। सपा सरकार में गरीबों का राशन सपा नेता और इनके द्वारा पोषित माफिया खा जाते थे।

प्रधानमंत्री मोदी के शासन में जनता को अब राशन मिल रहा है। प्रदेश में 80 हजार से ज्यादा राशन की दुकानों पर ईपॉस मशीनें लगाई गई हैं। राशन की डोर स्टेप डिलीवरी हो रही है। ये पॉलिटिक्स आफ परफार्मेंस का असर है।

फिर एक बार मोदी सरकार... अबकी बार 400 पार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले चरण का मतदान हो चुका है अभी छह चरणों का मतदान और होना है। देश की जनता पीएम मोदी के काम पर मतदान करेगी। देश में फिर मोदी सरकार बनेगी और भाजपा 400 सीटें प्राप्त करेगी।

बागपत लोकसभा सीट: जातीय गुणा-भाग में जीत की चाबी पिछड़ों के पास, इस बात पर दिया जा रहा फोकस

बागपत , एजेंसी। लोकसभा सीट पर चुनाव पूरी तरह से जातीय समीकरणों में उलझ गया है। सभी दलों के प्रत्याशी अपने कोर वोटर के साथ ही अन्य बिरादरी को अपने पक्ष में करने पर ज्यादा जोर लगा रहे हैं, मगर अभी किसी को कामयाबी मिलती नहीं दिख रही है।

हालत यह है कि किसी भी प्रत्याशी जातीय गणित सिरे नहीं लग रहा है। यह जरूर है कि पिछड़ों का रुख काफी अहम है। पहले चरण से सबक लेकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है।

रालोद-भाजपा प्रत्याशी डा. राजकुमार सांगवान को जाटों में बिखराव नहीं होने की उम्मीद है, लेकिन मुस्लिम वोटर रालोद से इस बार छिटक गया है। मुस्लिमों का रुख सपा-कांग्रेस गठबंधन की तरफ दिख रहा है। सपा का कोर वोटर कहे जाने वाले यादव में ज्यादा बिखराव नहीं है।

इस गठबंधन के प्रत्याशी अमरपाल शर्मा की ब्राह्मण बिरादरी में मतबूत पकड़ मानी जाती है। बसपा से गुर्जर प्रत्याशी प्रवीण बंसल भी जातीय समीकरण बिगाड़ते दिख रहे हैं। इस तरह चुनाव पूरी तरह पिछड़ों पर आकर टिकता नजर आ रहा है।

वोटरों का जातीय आंकड़ा- बागपत लोकसभा सीट पर कुल 16 लाख 56 हजार 648 मतादता हैं। इनमें मुस्लिम वोटर सबसे ज्यादा करीब चार लाख हैं। जाट वोटर करीब साढ़े तीन लाख हैं। ब्राह्मण करीब डेढ़ लाख और गुर्जर वोटर सवा लाख हैं। इसके अलावा दलित करीब एक लाख 80 हजार, कश्यप करीब एक लाख, राजपूत करीब एक लाख हैं।

बैठते ही शुरू हो रही चुनाव की चर्चा - बागपत के बाजार में सोनीपत बस स्टैंड के पास बैठे लोगों की चुनाव को लेकर बातचीत हो रही थी। वहां बैठे शफीक सलमानी बोले कि इस बार बागपत में बदलाव जरूर होगा और इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी ज्यादा बेहतर है। तभी अश्वनी तोमर उनको आगे बोलने से रोक देते हैं। तपाक से बोले कि रालोद-भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी को ज्यादा समर्थन मिल रहा है।

शफीक सलमानी ने तभी कहा कि पहले रालोद व भाजपा वाले एक-दूसरे को खूब कोसते थे तो अब भाजपा वाले वोट कैसे देंगे। इस बीच विनोद शर्मा ने इंडिया गठबंधन की पैरवी करनी शुरू कर दी तो व्यापारी विक्की चौधरी ने पूरा चुनावी गणित बताकर रालोद-भाजपा प्रत्याशी की पैरवी कर दी। इस तरह ही बागपत के पुराने कस्बे में कुपेश्वर मंदिर के पास दोनों वर्गों के लोगों में एक साथ बैठकर चुनाव पर बातचीत चल रही थी।

छपरौली व मोदीनगर पर भी टिकी सभी की नजर- मोदीनगर विधानसभा सीट पर ब्राह्मण वोटर काफी हैं। अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी ब्राह्मणों के वोट हैं। इसके मद्देनजर सपा ने ब्राह्मण कार्ड खेला है। छपरौली जाट बाहुल्य है। इसे रालोद का गढ़ भी माना जाता है। ऐसे में इन दोनों विधानसभाओं पर हर किसी की नजर टिकी हुई है।

नगीना लोकसभा: गुणा-भाग में उलझे प्रत्याशियों के समर्थक राजनीति के दिग्गज भी नहीं समझ पा रहे जनता का मूड

बिजनौर, एजेंसी। प्रदेश की चुनिंदा हॉट सीट में शामिल हुई नगीना सीट पर शुक्रवार को हुए मतदान में जनता ने किस प्रत्याशी के सिर पर जीत का सेहरा बांधा है, इसकी गुणा भाग करने में सभी प्रत्याशी व उनके समर्थक पूरी तरह उलझे हुए हैं।

नगीना का सांसद कौन बनेगा इसका पता तो चार जून को पता चलेगा। आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद के नगीना सीट पर खुद उतर जाने के बाद प्रदेश की चर्चित सीटों में शामिल हुई नगीना सीट पर मतगणना के बाद क्या रुझान आया, यह जानने के लिए दूर-दूर से लोग अपने नगीना में रहने वाले परिचितों को फोन कर जानकारी जुटा रहे हैं। मतदान के दिन नगीना की जनता ने किसी एक पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में सर्वाधिक मतदान किया या जनता का मूड बंटा-बंटा रहा, इस बारे में कोई राजनीतिक जानकार पक्का दावा नहीं कर पा रहा है। एक तरफ जहां भाजपा समर्थक मुस्लिम व दलित वोटों में बंटवारा होने का दावा करते हुए अपनी जीत के प्रति आश्वस्त दिख रहे हैं, वही आसपा के समर्थक अपनी जीत से कम कुछ भी मानने को तैयार नहीं हो रहे हैं। उधर समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के समर्थकों का दावा है की शोर

चाहे किसी भी पार्टी का मचता रहे लेकिन जीत उन्हीं की होगी क्योंकि जनता ने उनके पक्ष में एकतरफा मतदान किया है।

मतदान हुए तीन दिन बीत गए हैं लेकिन नगीना के हर प्रमुख चौराहों, गली मोहल्ले व चाय की दुकान पर लोग जीत-हार की गुणा भाग करने में दिन भर लगे हुए नजर आ रहे हैं।

कोई मुस्लिम व दलित वोटों के अधिक मतदान होने के सहारे, तो कोई इन दोनों वर्गों के कम मतदान होने की बात का दावा करते हुए अपने-अपने जीत के सपने संजोए रहा है। सभी पार्टियों के समर्थकों के अपने-अपने दावे हैं, देखना होगा की मतगणना के दिन किसके दावे हकीकत में तब्दील होते हैं। नगीना सीट का परिणाम विभिन्न पार्टियों के कई दिग्गज नेताओं के राजनीतिक भविष्य को भी तय करेगा। एक तरफ चुनाव परिणाम पर जहां समाजवादी पार्टी के नगीना व नजीबाबाद सीट से तीन-तीन बार के विजेता विधायक मनोज पारस व तस्लीम अहमद की प्रतिष्ठा दाव पर लगी है, वहीं भाजपा प्रत्याशी व नहटौर विधानसभा सीट से तीन बार के विधायक ओम कुमार का राजनीतिक भविष्य भी इस चुनाव परिणाम पर बहुत कुछ निर्भर करेगा।

आजाद समाज पार्टी के लिए तो इस सीट का परिणाम बहुत मायने रखता है। वजह साफ है, इस सीट पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद खुद प्रत्याशी बने हुए हैं तथा पार्टी ने पूरे देश में सिर्फ इस सीट पर ही चुनाव लड़ा है। ऐसे में इस सीट का चुनावी परिणाम पार्टी की दशा व दिशा दोनों को तय करेगा।